जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 223 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 14 जून, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

परु की एंडीज़ पहाड़ियों में एक ऐसा जानवर रहता है जो पूरे विश्व में बहुमूल्य माना जाता है। हालांकि यह जानवर लामा परिवार का है परंतु इसे विकूनिया कहकर बुलाते हैं। छरहरे व 1.8 मीटर लम्बे शरीर वाले विकूनिया के चमकीले अयाल इसकी विशेष पहचान हैं। इसका ऊनी फर बहुत ही चमकदार, नर्म और गर्म होता है और बेहद कीमती कैशमिअर ऊन से भी महंगा बिकता है। विकूनिया का ऊन एंडीज़ पहाड़ियों पर 4000 मीटर की ऊंचाई और कड़ाके की ठंड में भी गर्माहट देता है। तेरहवीं सदी के प्री कोलम्बियन दौर में इंका साम्राज्य में विकूनिया बेहद सम्मानित था। इसकी ऊन सोने जितनी कीमती थी और राजपरिवार के लोग ही इसका उपयोग कर सकते थे। इंका लोगों के लिए विकूनिया का फर उतारना एक पवित्र प्रक्रिया थी। विकूनिया को बड़े-बड़े झुण्डों में एकत्र करके एक साथ सबकी ऊन उतारी जाती थी, फिर सबको छोड़ दिया जाता था, कोई भी विकूनिया को मारता नहीं था। इस प्रक्रिया को ''चाकू'' कहते थे। तथापि, वर्ष 1532 तक इस क्षेत्र पर स्पेन का कब्जा हो गया, उन्होंने यहां की परम्पराओं को तोड़ दिया और विकूनिया वूल को ''प्रॉफिटेबल कमोडिटी'' का दर्जा दिया गया, बिल्कुल वैसे ही जैसे पुराने जमाने में रेशम को प्राप्त था। स्पैनिश लोग विकूनिया की हत्या करने से भी परहेज नहीं करते थे। उस दौर में लाखों भेड़ों को मार डाला गया। वर्ष 1960 में जब मात्र 6000 विकूनिया ही बचे थे, तब परु की सरकार ने इसे संकटग्रस्त प्रजाति का दर्जा दिया और एक बार फिर इनके शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अजाकूचो क्षेत्र में 40 वर्ग मील का विकूनिया रिज़र्व बनाया गया जिसका नाम है पैम्पा गलेरास। आज क्षेत्र में दो लाख विकूनिया हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकूनिया का ऊन उतारने की प्राचीन चैकू परम्परा फिर से शुरु की गई है, जिसे देखने बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। विकूनिया के शरीर पर दोबारा ऊनी फर विकसित होने में काफी समय लग जाता है इसलिए एक विकूनिया के शरीर से दो साल में एक बार ही ऊन उतारी जाती है। एक जानवर से सिर्फ 200 से 500 ग्राम तक ही ऊन मिलती है। विश्व में लगभग सभी जगह एक किलो विकूनिया ऊन 400 से 600 डॉलर तक में बिकती है। विकूनिया ऊन अपने धागों में गर्माहट व हवा को ट्रैप कर लेती है जिससे गर्माहट बनी रहती है। कैशमिअर, जो विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय ऊन है, विकूनिया ऊन से दस गुना ज्यादा भारी है।

शरद पवार विपक्ष के राष्ट्रपति पद के सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभरे

गैर भाजपा पार्टियों की इस मुद्दे पर हुई बैठकों में यह सोच सामने आया कि, नवीन पटनायक व नीतीश कुमार भी शरद पवार के समर्थन में आ जायेंगे, अगर उन दोनों से होशियारी व समझदारी से बात की जाये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा तीन बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके शरद गोविन्द राव पवार देश के सर्वोच्च पद के लिये विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभर रहे हैं। जुलाई में होने वाले इस चुनाव के सिलसिले में, ग़ैर भाजपा दलों की मीटिंगों से प्राप्त संदेश ऐसा कह रहे प्रतीत हो रहे हैं।

ग़ैर भाजपा राजनैतिक हल्कों में यह सोच प्रबल होती जा रही है कि अगर इस मुद्दे पर पूरी निपुणता एवं कौशल से काम लिया जाये तो कई पार्टियाँ, जैसे ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का बीजू जनता दल तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जनता दल (यूनाइटेड), पवार का समर्थन कर सकती हैं।

एक नेता ने कहा कि अगर पवार चुनाव मैदान में उतरने के लिये सहमत हो जाते हैं तो चुनावी लड़ाई दिलचस्प हो जायेगी क्योंकि उस स्थिति में भाजपा को अपने उम्मीदवार को जिताने के लिये अपना सब कुछ चुनाव में झोंक देना पड़ेगा।

- गत सप्ताह कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे पर सोनिया गांधी का संदेश लेकर शरद पवार से मुम्बई में मिले थे।
- रविवार को केजरीवाल की पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने भी इस मुद्दे पर शरद पवार से फोन पर बात की।
- खड़गे ने शिव सेना के नेता व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व तमिलनाडू के मु.मंत्री स्टालिन से भी इस प्रस्ताव पर बात की है।
- खड़गे ने बंगाल के मु.मंत्री ममता बनर्जी से भी इस मुतल्लिक टेलीफोन से बात की।
- भाजपा की ओर से अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को अधिकृत किया गया है कि, अन्य पार्टियों से बात करें तथा एक सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करें, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिये।
- 2017 के राष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के लिए, तेलंगाना राष्ट्र समिति के चन्द्रशेखर राव, वाई.एस.आर. के जगन रेड्डी तथा बी.जे.डी. के नवीन पटनायक ने भाजपा (एन.डी.ए.) को समर्थन दिया था।
- पर, इस बार टी.आर.एस. के चन्द्रशेखर राव, पार्टियों को संगठित कर रहे हैं, भाजपा की खिलाफत करने के लिये।

बताया जाता है कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति पद के लिये शरद पवार के समर्थन का अपना संदेश प्रेषित कर दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के समर्थन संदेश के साथ पिछले गुरुवार को शरद पवार से भेंट की थी। दोनों की यह मीटिंग मुम्बई में हुई थी।

सूत्रों का कहना है कि हालाँकि एन.सी.पी. नेता ने सोनिया के इस सुझाव पर उस समय तत्काल तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन पवार इस प्रस्ताव को धीरे-धीरे स्वीकार करते नजर आ रहे हैं। रविवार को, पवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''लंच ब्रेक'' के दौरान राहुल गांधी गंगाराम अस्पताल गये

वहां भर्ती सोनिया गांधी को ई.डी. द्वारा की जा रही पूछताछ की ''ब्रीफिंग'' दी

- जैसा कि विदित ही है, ई.डी. ने अभी तक राहुल गांधी व सोनिया गांधी को केवल एक नोटिस भेजा था पूछताछ के लिये उपस्थित होने के लिये। कोई ''चार्ज-शीट'' जैसा कागज नहीं दिया है कि, क्या पूछताछ करना चाहता है ई.डी. और न ही कोई एफ.आई.आर. दर्ज की है और न कोई केस दर्ज कराया है।
- अतः अभी राहुल गांधी की टीम अंधेरे में है कि, राहुल व सोनिया से क्या पूछताछ की जायेगी।
- केस दर्ज नहीं होने के कारण, राहुल गांधी व सोनिया गांधी, न्यायालय की शरण में नहीं जा सकते, राहत पाने के लिये और अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिये।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, सोमवार को लंच-ब्रेक का लाभ उठाते हुये, यहाँ गंगाराम अस्पताल में भर्ती अपनी मां कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पास पहुंच गये तथा नैशनल हैरल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा पहले राउन्ड में उनसे पूछे गये प्रश्नों की जानकारी उनको दी। इसके तुरन्त बाद, वे पूछताछ के दूसरे राउन्ड के लिये प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में लौट आये। ज्ञातव्य है कि सोनिया गांधी रविवार दोपहर बाद से कोविड-19 के इलाज के लिये गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। अब उनकी हालत में सुधार है।

नैशनल हैरल्ड केस में कथित मनी लॉन्डरिंग को लेकर पूछताछ के लिये ई.डी. ऑफिस में उपस्थित होने के लिये इन दोनों (सोनिया तथा राहुल) को सम्मन भेजे गये हैं। इन सम्मनों के अलावा, कांग्रेस किन मुद्दों के लिए सम्मन भेजे गए है। कोई जानकारी या संकेत नहीं दिया गया है। बताया जाता है कि राहुल ने संबंधित अधिकारियों से यह कह दिया कि प्रवर्तन कार्यालय उन्हें समुचित नोटिस दे, जिसमें संबंधित मुद्दों का उल्लेख किया गया हो, जिससे वे उन बिन्दुओं का समुचित जवाब दे सकें।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रणनीति यह है कि अगर मुद्दों की जानकारी हो जाती है तो ई.डी. की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही को अदालत में चुनौती देते हुये कहा जा सकता है कि मनगढंत केस, जिसमें कोई सार या तत्व नहीं है, को लेकर पार्टी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि अगर ई.डी. के पास कोई ठोस कारण होते तो वह एफ.आई.आर. दर्ज करा चुका होता।

ई.डी. सूत्रों ने कहा कि पहले राउन्ड की पूछताछ प्रवर्तन निदेशालय के दो शीर्ष अधिकारियों- उप निदेशक एवं सहायक निदेशक- द्वारा की गई। पूछताछ की वीडियो-ट्रैपिंग हुई है तथा पूछताछ के अन्त में रिकॉर्डेड बयान की एक प्रति राहुल को दी जायेगी।

ए.आई.सी.सी. मुख्यालय, जिस पर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी, पर एक बड़ा राजनैतिक हंगामा हुआ तथा 20 कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता हिरासत में ले लिये गये। सैकड़ों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ई.डी. कार्यालय तक राहुल के साथ जाने के लिये पुलिस कार्यवाही का सामना किया। ई.डी. कार्यालय कांग्रेस मुख्यालय से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर इण्डिया गेट के पास स्थित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वेणुगोपाल

- हाल ही में कोविड की मार से उठे, कांग्रेस महासचिव पुलिस की कार्यवाही के दौरान मूर्छित हुए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल एक हफ्ते तक कोविड-19 पॉज़िटिव रहने के बाद रविवार को ही रिकवर हुए थे, कि धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद वह पुलिस हिरासत में ही बेहोश हो गए।

गिरफ्तार होने वालों में पार्टी महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वी. श्रीधरन शामिल हैं, जिन्होंने दिल्ली व पूरे देश में आयोजित विरोध ''सत्याग्रह'' में भाग लिया था। ये लोग सफदरजंग पुलिस स्टेशन में बंद थे, जहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उनसे मुलाकात की। पुलिस मुख्य द्वार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार ''फूड व फ्यूल'' के दाम घट नहीं रहे

ये मूल्य क्यों नहीं घट रहे, इस मुद्दे पर कई ''थ्योरी'' हो सकती हैं, पर गरीब व मध्यम वर्ग पर संकट भारी है, जिसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। खाद्य पदार्थों और ईंधन की बेलगाम कीमतों ने भारत की खुदरा मंहगाई को उच्च स्तरों पर रखा हुआ है।

केन्द्र सरकार के सांख्यिकी विभाग ने आज मंहगाई के नवीनतम आंकड़े जारी किए, उनसे संकेत मिला कि खुदरा कीमतों की गणना करने वाले कंज़ूमर प्राइस इण्डैक्स (सी.पी.आई.) में अत्पल्य कमी आई है। अप्रैल माह में यह जहां 7.79 प्रतिशत था वहीं मई माह में थोड़ा गिरकर 7.04 प्रतिशत रह गया। मंहगाई के स्तर में अत्पल्य कमी का कोई महत्व नहीं है और इस पर सावधानीपूर्वक नज़र रखनी चाहिए।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस स्तर पर सी.पी.आई. मंहगाई दर रिज़र्व बैंक की सीलिंग रेट से एक प्रतिशत अंक अधिक है। सरकार ने रिज़र्व बैंक को कीमतों की स्थिर व्यवस्था बनाए रखने का काम सौंपा हुआ है। इस मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए रिज़र्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी ने मंहगाई दर का लक्ष्य 4 प्रतिशत या इसमें प्लस-माइनस 2 प्रतिशत तय किया था। मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी का प्राथमिक कार्य रिज़र्व बैंक की साख या जमा धन की नीति की लय बनाए रखना है।

इस आधार पर आर.बी.आई. ऐसी नीतियां बनाए रखने को प्रतिबद्ध है जिनसे कुल सी.पी.आई. मंहगाई दर का निम्न मूल्य 2 प्रतिशत और उच्चतम स्तर पर 6 प्रतिशत बना रहे। यदि इस मापदण्ड को अपनाया जाए तो मंहगाई की वर्तमान उच्च दर सीलिंग रेट से ऊपर है और इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। होलसेल प्राइस इण्डैक्स (डब्ल्यू.पी.आई.) के लिए प्रस्तावित सी.पी. मैच्योर ऑफ इन्फ्लेशन खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भारी पड़ रहा है। करीबन आधा भार ईंधन की कीमतों पर है। इस संदर्भ में खाद्य पदार्थों की कीमतों के

- भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी के, प्याज के दामों में हुई बढ़ोतरी पर किये गये कटाक्ष भारी और तीखे होते थे तथा भाजपा के राजनीतिक प्रहार का सबसे खतरनाक व असरदार तीर थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ई.डी. ने लगभग ग्यारह घंटे राहुल गांधी से पूछताछ की

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय व ई.डी. ऑफिस के रास्ते में भारी ''बैरिकेडिंग'' की तथा कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को तुगलक रोड आदि पुलिस स्टेशनों पर बिठाये रखा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नैशनल हैरल्ड केस, जो कि वास्तविकता से अधिक काल्पनिक है, में आज पूछताछ की, लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत और भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की शांति भंग करने को लेकर हिरासत में लिया गया और विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया।

लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करते वक्त उनसे हाथापाई की। उन्होंने आगे बताया कि उनके जबड़े में चोट लगी थी किन्तु उन्हें तुगलक रोड पुलिस स्टेशन ले जाया गया पार्टी नेताओं ने बताया कि ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल को भी कथित रूप से जबरन धक्का देकर एक पुलिस बस में घुसा दिया गया। कांग्रेस ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें पुलिसकर्मी वेणुगोपाल को जबरन गिरफ्तार करते हुए दिखाई दे रहे थे। ई.डी. ऑफिस के निकट मौजूद विरोध प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम भी थे, किन्तु बाद में वह एक कार में रवाना हो गए।

राहुल गांधी से ई.डी. की पूछताछ दोपहर करीब 3.15 बजे समाप्त हुई।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेक्ट ने राहुल को नैशनल हैरल्ड अखबार से संबद्ध केस में काले धन को वैध करने को लेकर तलब किया था।

पार्टी का करीब पूरा शीर्ष नेतृत्व 24 अकबर रोड स्थित ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर प्रातः 9 बजे जमा हो गया था। कांग्रेस ऑफिस की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर पुलिस ने जबर्दस्त बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने ई.डी. मुख्यालय तक मार्च निकालने के लिए कांग्रेस को अनुमति नहीं दी थी।

राहुल अपनी बहन एवं ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ सुबह 10.50 बजे पहुंचे। पार्टी नेतृत्व के साथ एक लघु मीटिंग करने के बाद राहुल पांच मिनट में ही बाहर आ गए और ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से निकल गए। सीनियर नेता उनके पीछे-पीछे चलने लगे।

जहां राहुल को जाने की अनुमति दी गई, वहीं बघेल और गहलोत सहित नेताओं को बाहर निकलने के लिए संघर्ष करना पड़ा। बघेल ने राहुल के साथ जाने के लिए पार्टी ऑफिस से जब बाहर आने की कोशिश की उस वक्त उनके सुरक्षा अधिकारियों को दिल्ली पुलिस कर्मियों से बहस करते देखा गया। राहुल ई.डी. ऑफिस के लिए कार में रवाना हुए, वहीं पार्टी नेता पैदल चले और उन्हें पुलिस ने विभिन्न स्थलों पर रोका। बैरिकेडिंग इतनी जबर्दस्त थी कि कई नेता तो ए.आई.सी.सी. ऑफिस तक ही नहीं पहुंच सके। पुलिस ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बड़ी संख्या में ए.आई.सी.सी. मुख्यालय ना पहुंच पाना सुनिश्चित किया था। गहलोत, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह तथा कई अन्य नेता जहां फतेहपुरी बेरी पुलिस स्टेशन ले जाए गए, वहीं वेणुगोपाल, अधीर, हरीश रावत के साथ ही बड़ी संख्या में नेताओं और सांसदों को तुगलक रोड पुलिस स्टेशन ले जाया गया। थके-थके लग रहे वेणुगोपाल का ब्लड प्रैशर पुलिस स्टेशन में चैक करना पड़ा क्योंकि वह हाल ही में कोविड से रिकवर हुए हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी नेताओं से मिलने के लिए तुगलक रोड पुलिस स्टेशन गईं और उन्होंने वेणुगोपाल से बातचीत भी की।

बघेल को कुछ समय बाद छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि ''पूरा देश सत्तारूढ़ पार्टी की तानाशाही का साक्षी बन रहा है।'' उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी मुख्यालय पहुंचने से रोका गया तथा पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर ली गई और लोकतंत्र को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चिदम्बरम और प्रमोद तिवारी की पसली में फ्रैक्चर'

- रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि, पुलिस ने चिदम्बरम का चश्मा जमीन पर फेंक दिया, प्रमोद तिवारी सड़क पर गिर पड़े, उनके सिर में भी चोट आई है।

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस पार्टी ने कथित धनशोधन के मामले में राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के समक्ष पेशी को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि उसने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके देश में आतंक फैला दिया है।

कांग्रेस नेता व राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट करते हुए दावा किया कि पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम के साथ पुलिस ने धक्का-मुक्की की जिससे उन्हें चोट आई है। उन्होंने कहा कि, पुलिस ने ऐसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो हजार करोड़ की सम्पत्ति

- स्मृति इरानी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, कांग्रेस का प्रदर्शन जनतंत्र को मजबूत करने के लिये नहीं, बल्कि गांधी परिवार द्वारा भ्रष्ट तरीके से पायी 2000 करोड़ रू. की सम्पत्ति की रक्षा के लिये है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं इंडिया गेट के चारों ओर किये गये सड़क -अवरोध तथा यहां उनके प्रदर्शन को रोकने के लिये पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग के बीच, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भाजपा मुख्यालय पर एक प्रैस कॉंफ्रेंस में कहा कि वे (कांग्रेस) लोकतंत्र को बचाने के लिये नहीं, बल्कि भ्रष्ट तरीकों से संचित 2000 करोड़ रु. की गांधी परिवार की सम्पत्ति को बचाने के लिये यह सब कर रहे हैं। पूरे देश में किये जा रहे प्रदर्शनों के जरिये, प्रवर्तन निदेशालय को डराने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)